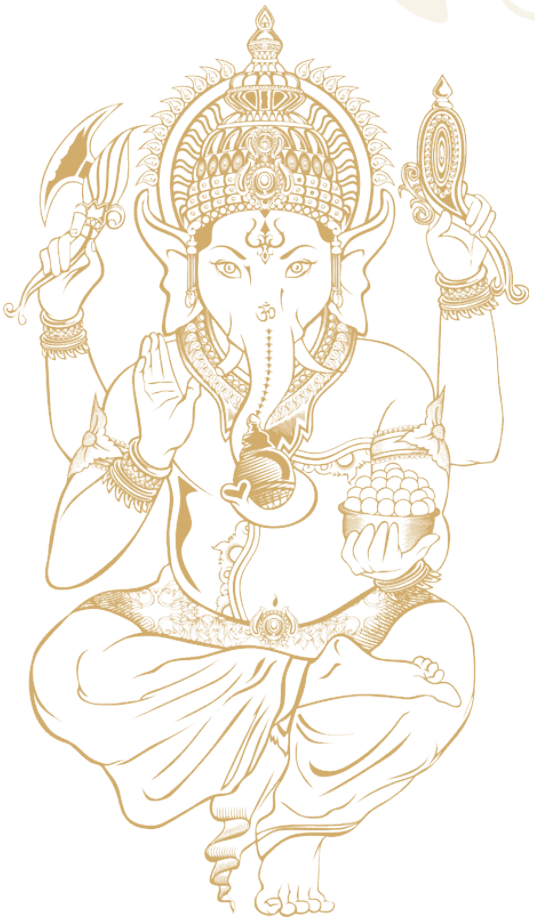

Vaishali Kumari

04 Nov 2011

08:27 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120978303

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/11/2011**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:27:00 घंटे**
इष्ट	06:10:16 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:37:00 घंटे
वेलान्तर	00:16:29 घंटे
साम्पातिक काल	11:29:03 घंटे
सूर्योदय	05:58:53 घंटे
सूर्यास्त	17:08:10 घंटे
दिनमान	11:09:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	17:18:48 तुला
लग्न के अंश	18:44:51 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वृद्धि
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	18:44:51	316:05:58	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
सूर्य			तुला	17:18:48	01:00:06	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	03:44:56	12:18:16	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			सिंह	02:20:46	00:31:26	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	07:53:06	01:20:08	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	सम राशि
गुरु	व		मेष	10:26:29	00:08:01	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	08:09:12	01:14:35	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
शनि			कन्या	28:43:23	00:07:05	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	20:50:15	00:02:29	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	20:50:15	00:02:29	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		मीन	07:08:41	00:01:40	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप	व		कुंभ	04:07:10	00:00:11	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	11:27:19	00:01:25	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			सिंह	27:33:23	--	उ०फाल्गुनी	--	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:36

लग्न-चलित

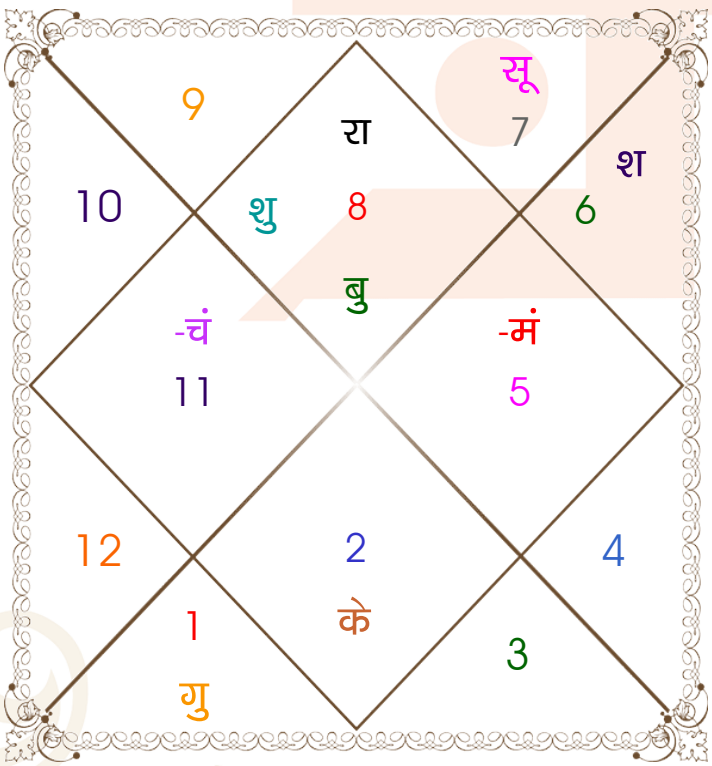

चन्द्र कुंडली

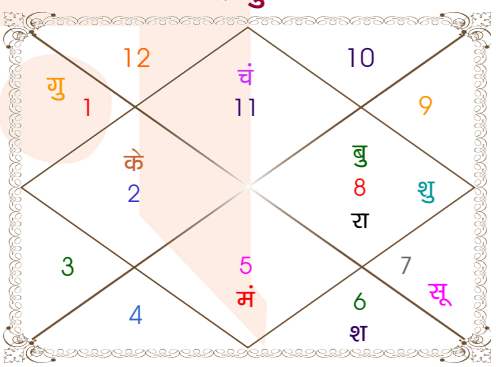

नवमांश कुंडली

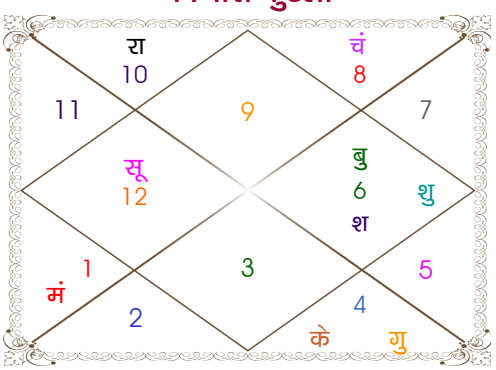

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 6 मास 11 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/11/2011		16/05/2013		17/05/2031		17/05/2047		17/05/2066	
16/05/2013		17/05/2031		17/05/2047		17/05/2066		17/05/2083	
	00/00/0000	राहु	28/01/2016	गुरु	04/07/2033	शनि	20/05/2050	बुध	12/10/2068
	00/00/0000	गुरु	22/06/2018	शनि	15/01/2036	बुध	27/01/2053	केतु	09/10/2069
	00/00/0000	शनि	28/04/2021	बुध	22/04/2038	केतु	08/03/2054	शुक्र	09/08/2072
	00/00/0000	बुध	15/11/2023	केतु	29/03/2039	शुक्र	07/05/2057	सूर्य	16/06/2073
	00/00/0000	केतु	03/12/2024	शुक्र	27/11/2041	सूर्य	19/04/2058	चंद्र	15/11/2074
	04/11/2011	शुक्र	04/12/2027	सूर्य	15/09/2042	चंद्र	19/11/2059	मंगल	12/11/2075
शुक्र	09/06/2012	सूर्य	27/10/2028	चंद्र	15/01/2044	मंगल	27/12/2060	राहु	01/06/2078
सूर्य	15/10/2012	चंद्र	28/04/2030	मंगल	21/12/2044	राहु	03/11/2063	गुरु	06/09/2080
चंद्र	16/05/2013	मंगल	17/05/2031	राहु	17/05/2047	गुरु	17/05/2066	शनि	17/05/2083

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/05/2083		17/05/2090		18/05/2110		17/05/2116		18/05/2126	
17/05/2090		18/05/2110		17/05/2116		18/05/2126		00/00/0000	
केतु	13/10/2083	शुक्र	15/09/2093	सूर्य	04/09/2110	चंद्र	17/03/2117	मंगल	14/10/2126
शुक्र	12/12/2084	सूर्य	15/09/2094	चंद्र	06/03/2111	मंगल	17/10/2117	राहु	01/11/2127
सूर्य	19/04/2085	चंद्र	16/05/2096	मंगल	12/07/2111	राहु	17/04/2119	गुरु	07/10/2128
चंद्र	18/11/2085	मंगल	16/07/2097	राहु	04/06/2112	गुरु	16/08/2120	शनि	16/11/2129
मंगल	16/04/2086	राहु	17/07/2100	गुरु	24/03/2113	शनि	18/03/2122	बुध	13/11/2130
राहु	05/05/2087	गुरु	18/03/2103	शनि	06/03/2114	बुध	17/08/2123	केतु	11/04/2131
गुरु	10/04/2088	शनि	18/05/2106	बुध	10/01/2115	केतु	17/03/2124	शुक्र	05/11/2131
शनि	19/05/2089	बुध	17/03/2109	केतु	18/05/2115	शुक्र	16/11/2125		00/00/0000
बुध	17/05/2090	केतु	18/05/2110	शुक्र	17/05/2116	सूर्य	18/05/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 6 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखती हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करती हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देती हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहता हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि की चालाक महिला हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेती हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा की ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकती हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगी। आप चाहती है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकती हैं। आप अपने जीवन संगी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाती हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करता है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाती हो तथा इसे दुखद अनुभव करती हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करती हो। आप अपनी जीवन संगी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करती रहेंगी। आप अपने उत्तम जीवन-संगी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस पुरुष का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकती हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।